संख्या: ए-52011/109/2020-E.IV
भारत सरकार
जल शक्ति मंत्रालय
जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा संरक्षण विभाग
केन्द्रीय जल आयोग
***

त्रतीय तल (दक्षिण), सेवा भवन,
रामा कृष्ण पुरम, नई दिल्ली-110066
दिनांक: २८ जुलाई, २०२०

<u>कार्यालय ज्ञापन</u>

अधोहस्ताक्षरी समन्वय अनुभाग, जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा संरक्षण विभाग, जल शक्ति मंत्रालय के पत्र संख्या-23014/39/2020-Coord./I/37486/2020 दिनांक 24.07.2020 एवं मानव संसाधन विकास मंत्रालय के पत्र संख्या-एफ०सं०11-1/2020-संस्कृत०II दिनांक 30.03.2020 जो कि ईमेल द्वारा प्राप्त हुआ है जिनहे आगे कि कार्यवाही हेतु अग्रेसित किया जा रहा है।

२. उक्त पुरुस्कारों के लिए संस्कृत, पाली, प्राकृत, अरबी, फारसी, शास्त्रीय तमिल, शास्त्रीय उड़िया, शास्त्रीय कन्नड, शास्त्रीय टेलगु और शास्त्रीय मलयालम भाषा के उत्क्रस्ठ विद्वानो के नामो कि सिफारिशे संलग्न प्रपत्र में भर कर तत्काल स्थापना-चार अनुभाग, केन्द्रीय जल आयोग, नई दिल्ली में भेजे। नामांकन भेजते समय उचत्तर शिक्षा विभाग के सभी निर्देशों/अनुदेशों का पालन सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

संलग्न: यथोक्त।

Signature Not Verified
Digitally signed by R.K.BALAMURUGAN
Date: 2020.07.31 11:29:55 IST

(आर० के० बालामुरूगन**)**
अवर सचिव (स्थापना-चार)
दूरभास: 011-29583302
ईमेल: estt4@nic.in

सेवा में

1. प्रमुख निजी सचिव, अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, नई दिल्ली।
2. प्रमुख निजी सचिव, सदस्य, केन्द्रीय जल आयोग, नई दिल्ली।
3. केंद्रीय जल आयोग के मुख्यालय और क्षेत्र कार्यालयों में सभी मुख्य अभियंता के निजी सचिव
4. केंद्रीय जल आयोग के मुख्यालय और क्षेत्र कार्यालयों में सभी अधीक्षण अभियंता के निजी सचिव
5. निजी सचिव, संयुक्त सचिव
6. निजी सचिव, सचिव
7. निजी सचिव ,निदेशक प्रशासन/ निदेशक स्थापना- ।/ निदेशक स्थापना- ॥
8. निजी सचिव, लेखा अधिकारी
9. सभी अवर सचिव/ सभी स्थापना अनुभाग / सभी निदेशालय

53580/2020/ESTT-IV

Email estt4@cwc.delhi.nic.in

Fwd: संस्कृत, पाली, प्राकृत, अरबी, फारसी, शास्त्रीय तमिल, शास्त्रीय उड़िया, शास्त्रीय कन्नड, शास्त्रीय तेलगु और शास्त्रीय मलयालम भाषा के विद्वानों के लिए राष्ट्रपति सम्मान पत्र पुरस्कार और उन्हीं क्षेत्रों में युवा विद्वानों के लिए महर्षि बद्रायन व्यास सम्मान – वर्ष 2020 के लिए सिफ़ारिशें।

From : SECRETARY CWC <secy-cwc@nic.in> Fri, Jul 24, 2020 03:49 PM

Subject : Fwd: संस्कृत, पाली, प्राकृत, अरबी, फारसी, शास्त्रीय तमिल, शास्त्रीय उड़िया, शास्त्रीय कन्नड, शास्त्रीय तेलगु और शास्त्रीय मलयालम भाषा के विद्वानों के लिए राष्ट्रपति सम्मान पत्र पुरस्कार और उन्हीं क्षेत्रों में युवा विद्वानों के लिए महर्षि बद्रायन व्यास सम्मान – वर्ष 2020 के लिए सिफ़ारिशें। 2 attachments

To : E-IV, CWC <estt4@nic.in>

From: "SO Coord MoWR" <coord-mowr@nic.in>
To: "director neriwalm" <director.neriwalm@gmail.com>, gfccpatna@gmail.com, "Devendra Pratap Mathuria" <uyrb-mowr@nic.in>, "Director, CWPRS, Pune" <director@cwprs.gov.in>, "CAO CAO, ADMIN, CWPRS" <cao@cwprs.gov.in>, bcb242433@gmail.com, sebrb2008@rediffmail.com, "CMD" <cmd.npcc@nic.in>, "polavaram authority" <polavaram.authority@gmail.com>, secretarytbb@yahoo.com, cmd@wapcos.co.in, personnel@wapcos.co.in, "aomin cgwb" <aomin.cgwb@gmail.com>, "diradm-cgwb" <diradm-cgwb@nic.in>, "CHAIRMAN, CGWB" <chmn-cgwb@nic.in>, "S N Pal" <us2-csmrs@nic.in>, "Chairman cwc" <chairman-cwc@nic.in>, "SECRETARY CWC" <secy-cwc@nic.in>, "Shri R. Vasudevan" <dda.nca@nic.in>, "Director NIH JVT" <director.nihr@gov.in>, "Director General NWDA" <dg-nwda@nic.in>, "CEHQNWDA" <cehq-nwda@nic.in>, "Brahmaputra" <bbrd-ghy@nic.in>, "SSCAC" <sscac-mowr@nic.in>, "estbt fbp121" <estbt.fbp121@gmail.com>, "Pramod Kumar Patra" <pramod.patra1983@gov.in>, "Arvind Prasad Singh" <arvindp.singh@nic.in>, "Sunil Kumar Garg" <dir-nwic-mowr@gov.in>, "MS,GRMB" <membersecy-grmb@gov.in>, "krmb hyd" <krmb.hyd@gmail.com>
Sent: Friday, July 24, 2020 3:09:24 PM
Subject: संस्कृत, पाली, प्राकृत, अरबी, फारसी, शास्त्रीय तमिल, शास्त्रीय उड़िया, शास्त्रीय कन्नड, शास्त्रीय तेलगु और शास्त्रीय मलयालम भाषा के विद्वानों के लिए राष्ट्रपति सम्मान पत्र पुरस्कार और उन्हीं क्षेत्रों में युवा विद्वानों के लिए महर्षि बद्रायन व्यास सम्मान – वर्ष 2020 के लिए सिफ़ारिशें।

Sir,

Please find the attachment and furnish a reply at the earliest.

समन्वय अनुभाग
दूरभाष:011-23381895

YEARS OF CELEBRATING THE MAHATMA
"Cleanliness is next to Godliness"

YEARS OF CELEBRATING THE MAHATMA
"Cleanliness is next to Godliness"

Issued letter.pdf
866 KB

Attachment.pdf
6 MB

मिसिल सं° F-23014/39/2020-Coord./I/37486/2020

भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा संरक्षण विभाग,

समन्वय अनुभाग

***

कमरा सं° 6, बी विंग, भूतल,
शास्त्री भवन, नई दिल्ली – 110001
दिनांक: 24 जुलाई 2020

सेवा में,

विभाग के अधीन सभी संगठनों के प्रमुख,

विषय: संस्कृत, पाली, प्राकृत, अरबी, फारसी, शास्त्रीय तमिल, शास्त्रीय उड़िया, शास्त्रीय कन्नड, शास्त्रीय तेलगु और शास्त्रीय मलयालम भाषा के विद्वानों के लिए राष्ट्रपति सम्मान पत्र पुरस्कार और उन्हीं क्षेत्रों में युवा विद्वानों के लिए महर्षि बद्रायन व्यास सम्मान – वर्ष 2020 के लिए सिफ़ारिशें।

महोदय,

उच्चतर शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय का उपरोक्त विषयांकित 30.03.2020 दिनांकित पत्र की प्रति प्राप्त करें, उल्लेखनीय है कि मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा संस्कृत, पाली, प्राकृत, अरबी, फारसी, शास्त्रीय तमिल, शास्त्रीय उड़िया, शास्त्रीय कन्नड, शास्त्रीय तेलगु और शास्त्रीय मलयालम भाषा अध्ययन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले विद्वानों को राष्ट्रपति सम्मान पत्र पुरस्कार एवं महर्षि बद्रायन व्यास पुरस्कार प्रदान किए जाने

2. उक्त पुरस्कारों के लिए संस्कृत, पाली, प्राकृत, अरबी, फारसी, शास्त्रीय तमिल, शास्त्रीय उड़िया, शास्त्रीय कन्नड, शास्त्रीय तेलगु और शास्त्रीय मलयालम भाषा के उत्कृष्ट विद्वानों के नामों की सिफ़ारिशें संलग्न प्रोफॉर्मा में इस विभाग को भेजी जा सकती है। नामांकन भेजते समय उच्चतर शिक्षा विभाग के सभी निर्देशों/अनुदेशों का पालन सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

संलग्नक: यथोक्त

भवदीय,

(राजन भसीन)
अवर सचिव, भारत सरकार
दूरभाष: 23074033

प्रतिलिपि यथोचित कार्रवाई हेतु:
अवर सचिव (प्रशासन), जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा संरक्षण विभाग, श्रम शक्ति भवन, नई दिल्ली

एफ.सं.11-1/2020-संस्कृत.II
भारत सरकार
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
उच्चतर शिक्षा विभाग

शास्त्री भवन, नई दिल्ली,
दिनांक 30.03. 2020

सेवा में,

1) भारत सरकार के सभी सचिव
2) सभी राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्रों के मुख्य सचिव
3) सभी राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्रों के शिक्षा सचिव
4) सभी भारतीय विश्वविद्यालयों/ सम विश्वविद्यालयों के कुलपति
5) सचिव, विदेश मंत्रालय के माध्यम से विदेशों में स्थित भारतीय मिशनों के सभी प्रमुख
6) पिछले वर्षों के सभी पुरस्कार विजेता
7) आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल और ओडिशा में राज्य विश्वविद्यालयों के सभी कुलपति

विषय : संस्कृत, पाली, प्राकृत, अरबी, फ़ारसी, शास्त्रीय तमिल, शास्त्रीय उड़िया, शास्त्रीय कन्नड, शास्त्रीय तेलुगू और शास्त्रीय मलयालम भाषा के विद्वानों के लिए राष्ट्रपति सम्मान पत्र पुरस्कार और इन्हीं क्षेत्रों में युवा विद्वानों के लिए महर्षि बद्रायन व्यास सम्मान – **वर्ष 2020 के लिए सिफ़ारिशें**

JS(A)

महोदय,

संस्कृत, अरबी और फारसी भाषाओं के विद्वानों को सम्मानित करने के लिए वर्ष 1958 में सम्मान प्रमाण पत्र पुरस्कार प्रदान करने की एक योजना शुरू की गई थी। वर्ष 1996 में पाली/प्राकृत को इस योजना में समाहित करके योजना का विस्तार किया गया। सम्मान पत्र, संस्कृत, अरबी, फ़ारसी, पाली/ प्राकृत के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के साथ 60 वर्ष से अधिक आयु के विद्वानों को प्रदान किया जाता है। इस योजना में एक वर्ष के लिए पाली या प्राकृत दोनों में से किसी एक से संबंधित विद्वान को एक सम्मान प्रमाण पत्र पुरस्कार प्रदान करना शामिल था। इसके अतिरिक्त, यह योजना संस्कृत, पाली/प्राकृत, अरबी और फारसी के क्षेत्र में 30 से 45 वर्ष की आयु के युवा विद्वानों को महर्षि बद्रायन व्यास सम्मान भी प्रदान करती है।

2. वर्ष 2016 के बाद से, **32** और पुरस्कार अर्थात शास्त्रीय कन्नड़, शास्त्रीय तेलुगु, शास्त्रीय मलयालम और शास्त्रीय उड़िया नामक चार शास्त्रीय भाषाओं में प्रत्येक भाषा के लिए 8 पुरस्कार भी

शुरू किए गए हैं। ये भारत के विद्‌वानों और विदेशों में रहने वाले (विदेशी और भारतीय नागरिकों) विद्‌वानों के लिए भी आजीवन उपलब्धि पुरस्कार (लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड्स) हैं और इन शास्त्रीय भाषाओं के युवा विद्‌वानों के लिए महर्षि बद्रायन व्यास सम्मान हैं।

3. इस संबंध में, यह बताया जाता है कि पुरस्कार विजेताओं को एक शाल और एक बारगी नकद पुरस्कार प्रदान किया जाता है, जो इस प्रकार है:

i) सम्मान पत्र के लिए प्रत्येक को 5.00 लाख रुपए

ii) आजीवन उपलब्धि पुरस्कार (लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड) के लिए प्रत्येक को 5.00 लाख रुपए (इसमें अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार शामिल है)

iii) महर्षि बद्रायन व्यास सम्मान पुरस्कार के लिए प्रत्येक को 1.00 लाख रुपए

4. अत:, निम्नलिखित के लिए नामांकन आमंत्रित किए गए हैं: -

क्र.सं.	भाषा	पुरस्कार विवरण
1.	संस्कृत (कुल 21)	**सम्मान प्रमाण पत्र**- 5.00 लाख रुपए प्रत्येक के एक-बारगी नकद पुरस्कार वाले 15 पुरस्कार **सम्मान प्रमाण पत्र** –अनिवासी भारतीय अथवा गैर-भारतीय मूल के व्यक्तियों के लिए 5.00 लाख रुपए का एक बारगी नकद पुरस्कार वाला 1 अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार **महर्षि बद्रायन व्यास सम्मान** – 1.00 लाख रुपए प्रत्येक के एक-बारगी नकद पुरस्कार वाले 5 पुरस्कार
2.	पाली (कुल 2)	**सम्मान प्रमाण पत्र**- 5.00 लाख रुपए का नकद पुरस्कार वाला 1 पुरस्कार **महर्षि बद्रायन व्यास सम्मान** – 1.00 लाख रुपए का नकद पुरस्कार वाला 1 पुरस्कार
3.	प्राकृत (कुल 2)	**सम्मान प्रमाण पत्र**- 5.00 लाख रुपए का नकद पुरस्कार वाला 1पुरस्कार **महर्षि बद्रायन व्यास सम्मान** – 1.00 लाख रुपए का नकद पुरस्कार वाला 1 पुरस्कार
4.	फ़ारसी (कुल 4)	**सम्मान प्रमाण पत्र**- 5.00 लाख रुपए प्रत्येक के नकद पुरस्कार वाले 3 पुरस्कार **महर्षि बद्रायन व्यास सम्मान** – 1.00 लाख रुपए का नकद पुरस्कार वाला 1 पुरस्कार
5.	अरबी (कुल 4)	**सम्मान प्रमाण पत्र**- 5.00 लाख रुपए प्रत्येक के नकद पुरस्कार वाले 3 पुरस्कार **महर्षि बद्रायन व्यास सम्मान** – 1.00 लाख रुपए का एक बारगी नकद पुरस्कार वाला 1 पुरस्कार
6.	शास्त्रीय कन्नड (कुल 8)	**सम्मान प्रमाण पत्र**- 5.00 लाख रुपए का एक-बारगी नकद पुरस्कार वाला 1 पुरस्कार **सम्मान प्रमाण पत्र** –5.00 लाख रुपए के एक बारगी नकद पुरस्कार वाले 2 अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार (भारतीय और गैर-भारतीय मूल के एक एक व्यक्ति के लिए) **महर्षि बद्रायन व्यास सम्मान** – 1.00 लाख रुपए प्रत्येक के एक-बारगी नकद पुरस्कार वाले 5 पुरस्कार
7.	शास्त्रीय तेलुगू (कुल 8)	**सम्मान प्रमाण पत्र**- 5.00 लाख रुपए का एक-बारगी नकद पुरस्कार वाला 1 पुरस्कार **सम्मान प्रमाण पत्र** –5.00 लाख रुपए के एक बारगी नकद पुरस्कार वाले 2 अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार (भारतीय और गैर-भारतीय मूल के एक एक व्यक्ति के लिए) **महर्षि बद्रायन व्यास सम्मान** – 1.00 लाख रुपए प्रत्येक के एक-बारगी नकद पुरस्कार वाले 5 पुरस्कार

पी. श्रीपति

8.	शास्त्रीय मलयालम (कुल 8)	**सम्मान प्रमाण पत्र**- 5.00 लाख रुपए का एक-बारगी नकद पुरस्कार वाला 1 पुरस्कार, **सम्मान प्रमाण पत्र** – 5.00 लाख रुपए के एक बारगी नकद पुरस्कार वाले 2 अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार (भारतीय और गैर-भारतीय मूल के एक एक व्यक्ति के लिए) **महर्षि बद्रायन व्यास सम्मान** – 1.00 लाख रुपए प्रत्येक के एक-बारगी नकद पुरस्कार वाले 5 पुरस्कार
9.	शास्त्रीय उड़िया (कुल 8)	**सम्मान प्रमाण पत्र**- 5.00 लाख रुपए का एक-बारगी नकद पुरस्कार वाला 1 पुरस्कार **सम्मान प्रमाण पत्र** – 5.00 लाख रुपए के एक बारगी नकद पुरस्कार वाले 2 अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार (भारतीय और गैर-भारतीय मूल के एक एक व्यक्ति के लिए) **महर्षि बद्रायन व्यास सम्मान** – 1.00 लाख रुपए प्रत्येक के एक-बारगी नकद पुरस्कार वाले 5 पुरस्कार

5. तदनुसार, आपसे अनुरोध किया जाता है कि आप संलग्न प्रोफार्मा में इन पुरस्कारों के लिए संस्कृत, पाली, प्राकृत, अरबी, फारसी, शास्त्रीय कन्नड़, शास्त्रीय तेलुगु, शास्त्रीय मलयालम और शास्त्रीय उड़िया अध्ययन के क्षेत्र में केवल उत्कृष्ट विद्वानों के नामों की सिफारिश करें जिनके पास शिक्षण अनुभव, प्रकाशित रचनाएँ - प्रकाशित पुस्तकों/लेखों की संख्या, शोध कार्य हैं और जिन्होने पारंपरिक संस्कृत, पाली, प्राकृत, अरबी, फारसी, शास्त्रीय उड़िया, शास्त्रीय कन्नड़, शास्त्रीय तेलुगु और शास्त्रीय मलयालम अध्ययन को जीवित रखा है।

6. यहाँ यह उल्लेख करना उचित होगा कि संस्कृत के विद्वानों के नाम भेजते समय सिफारिश करने वाले अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि वे जिन विद्वानों की सिफारिश कर रहे हैं, उन्होने अपनी किताबें केवल संस्कृत भाषा में लिखी हो, न कि किसी अन्य भाषा में संस्कृत के विषय पर। यदि यह पाया जाता है कि विद्वानों की किताबें संस्कृत भाषा में नहीं लिखी गई हैं, तो उनके पुरस्कार के लिए आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा। इसी प्रकार, यह शास्त्रीय भाषाओं सहित अन्य भाषाओं के विद्वानों पर भी लागू होगा। इसके अतिरिक्त, शास्त्रीय भाषाओं के अंतर्गत पुरस्कार हेतु विचार करने के लिए सिफारिश करने वाले अधिकारियों द्वारा यह भी सुनिश्चित किया जाना होगा कि उस विद्वान ने भाषा के शास्त्रीय मूलपाठ में और भाषा के शास्त्रीय चरणों के बारे में काम किया हो, भले ही उनका परिणामी कार्य आधुनिक भाषा में हो।

7. महर्षि बदर्रायण व्यास सम्मान की सिफारिश केवल उन्हीं युवा विद्धानों के लिए की जाए जिन्होंने इन भाषाओं में विज्ञान को बढ़ावा देने के लिए आधुनिकता व परंपरा और कार्यरत वैज्ञानिकों एवं आईटी व्यावसायिकों के बीच सामंजस्य को आगे बढ़ाने केलिए संस्कृत या प्राचीन भारतीय विद्धता के योगदान अंत:विषयी अध्ययन में उत्कृष्ट कार्य किया हो।

8. सिफारिशों में पुरस्कार की सिफारिश हेतु विशेष उपलब्धि की स्पष्ट उल्लेख किया जाए और संलग्न प्रपत्र में विद्धान के चरित्र व पूर्व वृत प्रमाणत्र सहित मंत्रालय में 15 जून 2020 तक भेज दिया जाए। अपूर्ण पत्र अंतिम तारीख के बाद प्राप्त सिफारिशों पर विचार नहीं किया जाएगा। सिफारिश भेजते समय सभी प्रकाशित कार्यों की विस्तृत सूची के साथ नामिति के पांच सर्वश्रेष्ठ

पी. त्रीपाठी

(अधिकतम) प्रकाशित कार्यों की प्रतियां अग्रेषित की जाएं। इनके न होने पर पुरस्कार के लिए नामिती की उपयुक्कता की जांच करना संभव नहीं होगा।

9.पुरस्कार हेतु संस्तुत विद्धान का विवरण संलग्न प्रपत्र में दिया जाए। पूरा विवरण न होने पर सिफारिश पर उचित विचार करना मुश्किल हो जाता है। अतः अनुरोध है कि प्रपत्र के प्रत्येक कालम में पूरा विवरण दिया जाएअंतर्रष्ट्रिय विद्धान श्रेणी में पुरस्कारों के संबंध में मिशनों/दूतावासों आदि के अध्यक्षों से एतदवारा अनुरोध है कि पुरस्कार हेतु विद्धान की उपयुक्कता की जांच करने में चयन समिति की सहायता के लिए संस्तुत व्यक्ति के नामांकन के साथ-साथ विद्धान की प्रकाशित पुस्तकों का विवरण अधिकतम दो पृष्ठों में दें। इसके अलावा] यदि वे किसी भिन्न भाषा में है तो विद्धान के शीर्षक व कार्य का अंग्रेजी अनुवाद भी दे।

10.राज्य सरकारों आदि से यह भी अनुरोध है कि सिफारिश करते समय वे इस प्रयोजनार्थ व्यक्तियों के विवरण की सावधानीपूर्वक जांच करें। विद्धानों की प्रारंभिक जांच के लिए विशेषकर समिति की स्थापना पर कोई आपत्ति नहीं है] यदि पुरस्कार हेतु सिफारिश के लिए कोई योग्य विद्धान नहीं है तो वे शून्य सूचना दे सकते है। इस वर्ष पुरस्कार के लिए उन विद्धानों के नामों पर विचार किया जाए सकता है जिनकी विगत वर्ष सिफारिश की गई थी किंतु उन्हें पुरस्कार हेतु नहीं चुना गया था।

11-पुरस्कारों हेतु नामों की सिफारिश करते समय इस बात पर जोर दिया जाए कि पुरस्कार उन विद्धानों के लिए है जो संबंधित भाषाओं और विशेषज्ञता के संबंधित क्षेत्रों में प्रवीण है और न कि उनके लिए जिन्हें इन भाषाओं में उपलब्ध साहित्य का महज उपरी ज्ञान है] इस पर भी जोर दिया जता है कि सिफारिश करते समय प्राधिकारी इस तथ्य का संज्ञान ले जिन विद्धानों की सम्मान प्रमाणपत्र हेतु सिफारिश की जा रही है उन्होंने अपनी संबंधित भाषा में उल्लेखनीय काम किया है। दूसरे शब्दों में संस्कृत भाषा में संबंधित सिफारिशकर्ता प्राधिकारी सुनिश्चित करे कि सम्मान प्रमाणपत्र हेतु संस्तुत व्यकित के संस्कृत पर की अपेक्षा संस्कृत में पुस्तकों लिखी/प्रकाशित की है। अन्यथा इससे पुरस्कार देने का प्रयोजन ही समाप्त हो जाएगा।

12.अनुरोध है कि सिफारिश करने से पूर्व जहां आवश्यक समझें] गोपनीय तरीके से विश्वविद्यालय/पुस्तकालय व अन्य स्वयंसेवी संगठन से भी विचार-विमर्श किया जा सकता है।

13.ये पुरस्कार उन्हें नहीं दिए जाते जिन्हें इसे पहले यह मिल चुका हो यामरणोपरांत नहीं दिए जाते अथवा उन व्यक्तियों को नहीं दिए जाते जिन्हें न्यायालय ने किसी आपराधिक मामले में दोषी ठहराया जो अथवा उनके खिलाफ कोई मामला किसी न्यायालय में लंबित हो। अतः सरकार को परेशानी ना हो इसके लिए ऐसी घटना की सरकार को तत्काल सूचना दी जाए जिससे नामिती पुरस्कार हेतु अपात्र बन जाता है और इसकी सूचना देना] नामांकन भेजने वाले व्यक्ति का पूर्ण दायित्व है।

14-पुनः दोहराया जाता है कि प्राधिकारियों द्वारा जिन्हें यह पत्र संबोधित किया गया है विधिवत

वी.श्रीपति

संस्तुत सभी नामांकनों पर पुरस्कार देने के लिए विचार चयन समिति द्वारा किया जाएगा। इस पत्र द्वारा संबोधित से इतर और संगठन में कार्यरत प्राधिकारी से प्राप्त नामांकनों पर विचार नहीं किया जाएगा।

15-सिफारिशकर्ता प्राधिकारियों से अनुरोध है कि वे एकल विद्धान से स्वयं आवेदन या अनुरोध पर विचार न करके इस पुरस्कार की पूर्व गोपनीयता व गरिमा बनाए रखे। संबंधित विद्धानों के बारे में अन्य स्रोतों से पूरी सूचना/विवरण प्राप्त करने के लिए पूछताछ की जा सकती है चूंकि उन्हें ये जानकारी होने की आशा नहीं की जाती कि उनके नाम की सिफारिश की जा रही है। सिफारिश के साथ विद्धान द्ववारा स्वयं दी या भेजी गई सामग्री नहीं दी जानी चाहिए। विद्धान की ओर से किसी प्रकार का प्रचार उसके अहित में होगा व इसे गंभीरता से लिया जाएगा।

16-संबंधित सिफारिशकर्ता प्राधिकारी द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित चरित्र व पूर्ववृत प्रमाणपत्र के साथ पूर्ण नामांकन रेजिस्ट्रॉर राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान 56-57, इंस्टिट्यूशनल एरिया, जनकपुरी,नई दिल्ली-58 को अग्रेषित किए जाने चाहिए। अपूर्ण या अंतिम तारीख के बाद प्राप्त नामांकनों पर विचार नहीं किया जाएगा।

संलग्नकः यथोपरि।

भवदीय,

(वि.श्रीपति)
अवर सचिव,भारत सरकार
☎ : 011-23072112

प्रतिलिपि

1- अध्यक्ष] यूजीसी] बहादुर शाह जफर मार्ग] नई दिल्ली
2- निदेशक] 17&बी] एनसीईआरटी] श्री अरबिंदो मार्ग] नई दिल्ली-110016
3 निदेशक] राष्टीय उर्दू भाषा संवर्धन परिषद] फरोग-ए-उर्दू भवन] एफसी-33@9 इंस्ट्टियूशनल एरिया] जसोला] नई दिल्ली-110025
4 उप-कुलपति] न्यूपा] एनसीईआरटी परिसर] श्री अरबिंदो मार्ग] नई दिल्ली
5 निदेशक] नेशनल बुक टस्ट] ए-5] ग्रीन पार्क] नई दिल्ली-16
6 निदेशक] साहित्य अकादमी] 35] फिरोजशाह रोड] नई दिल्ली
7 निदेशक] केंद्रीय भारतीय भाषा संस्थान] मनासंगोत्री] मैसूर-570006
8 अध्यक्ष] वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली आयोग] वेस्ट ब्लाक नः VII] आर.के.पुरम] नई दिल्ली-110066
9 निदेशक] केंद्रीय हिंदी निदेशालय] वेस्ट ब्लाक नः VII] आर.के.पुरम] नई दिल्ली-110066
10 निदेशक] केंद्रीय हिंदी संस्थान] हिंदी संगठन मार्ग] आगरा-282005
11 निदेशक] केंद्रीय शास्त्रीय तमिल संस्थान] एलएमवी बिल्डिंग] 100 फिट रोड] तारामणी] चेन्नई-600113

वी.श्रीपति

12 निदेशक] राष्ट्रीय सिंधी भाषा संवर्धन परिषद] नई दिल्ली

13 सचिव] महर्षि संदिपनी राष्टीय वेद विद्या प्रतिष्ठान] उज्जैन] एम.पी.

14 रजिस्टार] श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्टीय संस्कृत विद्यापीठ] नई दिल्ली

15 रजिस्टार] राष्टीय संस्कृत विद्यापीठ] तिरूपति

16 रजिस्टार] राष्टीय संस्कृत संस्थान] जनकपुरी] नई दिल्ली

अनुरोध है कि संलग्न प्रपत्र में सिफारिशें रजिस्टार] राष्टीय संस्कृत संस्थान] इंस्टिट्यूशनल एरिया] जनकपुरी] नई दिल्ली-67 को 15 जून] 2020 तक अवश्य भेज दी जाएं।

वी. श्रीपति

(वि.श्रीपति)

अवर सचिव,भारत सरकार

☎ : 011-23072112

अंतिम तिथि : 15,06.2020

2020 वर्ष के राष्ट्रपति पुरस्कार महर्षि बद्रायन व्यास सम्मान और सर्टिफिकेट ऑफ ऑनर के लिए अनुशंसा हेतु प्रोफोर्मा

जिस पुरस्कार के लिए अनुशंसा की गई है (कृपया निशान लगाएं)

I	सर्टिफिकेट ऑफ ऑनर (60 वर्ष और उससे अधिक की आयु के विद्वानों के लिए)	
	महर्षि बद्रायन व्यास सम्मान (30 से 45 वर्ष की आयु के युवा विद्वानों के लिए)	

जिस क्षेत्र हेतु अनुशंसा की गई है (कृपया निशान लगाएं)

II	संस्कृत		पाली		अरबी		पारसी	
	शास्त्रीय उड़िया		शास्त्रीय मलयालम		शास्त्रीय कन्नड़		शास्त्रीय तेलुगु	
प्राकृत								

III	अनुशंसाकर्ता प्राधिकारी का पूरा नाम (बड़े अक्षरों में).	
	यदि अनुशंसा करने वाला प्राधिकारी एक सर्टिफिकेट ऑफ ऑनर प्राप्तकर्ता है, तो अवार्ड प्राप्त करने के वर्ष का उल्लेख करें।	
	अनुशंसाकर्ता प्राधिकारी का पदनाम	

वर्ष 2020 हेतु अनुशंसा

(अनुशंसित व्यक्ति का विवरण)

1.	पूरा नाम (अंग्रेजी में बड़े अक्षरों में)	:	
	पूरा नाम (हिन्दी लिपि में)	:	
2.	पूरा स्थायी पता	:	
3.	i) जन्म-तिथि	:	दिन / माह / वर्ष

बी. त्रिपाठी

	ii) आयु		वर्ष माह
4.	(क) विश्वविद्यालय, वर्ष और वर्ग / प्रभाग के नाम के साथ योग्यता	:	
	(ख) जिस संगठन में सेवा दी उसका नाम, धारित पद और सेवा अवधि सहित अनुभव		
	(ग) विशेषज्ञता का विषय	:	
	परम्‍ परागत विद्वानों के लिए (जहां कहीं भी लागू हो)		
	(क) अध्‍ ययन का स्‍ थान और अवधि एवं गुरूओं के नाम	:	
	(ख) अधिकतम ग्रंथ जिनमें परम्‍ परागत विद्वानों की विशेषज्ञता हो।	:	
	(ग) उसके अंतर्गत अध्‍ ययन करने वाले छात्रों की संख्‍ या और शिक्षा प्राप्‍ त करने का स्‍ तर।	:	
	(घ) डिग्री/डिप्‍ लोमा, यदि कोई हो, वर्ष और परीक्षा निकाय सहित उसका नाम		
5.	(क) अध्‍ ययन शाखा (ख) विकरित पाठ विशेषज्ञता (ग) क्‍ या भाष्‍ य का अध्‍ ययन किया है? यदि हां तो , उत्‍ तीर्ण की गई परीक्षा	:	
6.	पुस्‍ तक/ प्रकाशन (1) लिखित (2) संपादित (3) अनुवादित विषय/ भाषा इंगित करें।	:	
7.	**उसके मार्गदर्शन के अंतर्गत पीएच.डी/डी.लिट की उपाधि प्राप्‍ त करने वाले विद्यर्थियों/शोध विद्वानों की संख्‍ या**	:	
8.	पहले से प्राप्‍ त मान्‍ यता/सम्‍ मान , i) मान्‍ यता/सम्‍ मान का शीर्षक ii) वर्ष	:	

वी. श्रीपति

	iii) प्रदानकर्ता प्राधिकरण/संगठन		
9.	संबंधित भाषा को लोकप्रिय बनाने की दिशा में विवरण सहित विशेष योगदान	:	
10.	यदि किसी सम्मेलन / काव्य संगोष्ठी / वाद-विवाद / विद्वत सभा में भाग लिया हो (स्‍ थान, तारीख और संगठन एवं शोध पत्रों का विवरण दें)	:	
11. #	परंपरा और आधुनिकता के बीच तालमेल बैठाने की प्रक्रिया के लिए संस्कृत / फारसी / अरबी / पाली / प्राकृत अथवा शास्त्रीय कन्नड़ / शास्त्रीय तेलुगु / शास्त्रीय तेलुगु / शास्त्रीय मलयालम / शास्त्रीय उड़िया की शास्‍ त्रीय भाषाओं या प्राचीन भारतीय ज्ञान में योगदान सहित अंतर-विषयक अध्ययन में किए गए कार्य एवं सफलताएं।		
12	कृपया पुरस्‍ कार हेतु विद्वान के नाम की अनुशंसा किए जाने के विशेष कारण/विस्तृत औचित्‍ य बताएं।	:	

साथ ही मैं यह भी प्रमाणित करता हूं कि श्री/ श्रीमती/कुमारी...................... को इससे पहले .... के लिए सम्‍ मानित नहीं किया गया है, जिससे लिए मैं उनके नाम की अनुशंसा कर रहा हूं।

____

अनुशंसाकर्ता प्राधिकारी के हस्‍ ताक्षर
(अनुशंसा कर्ता प्राधिकारी का नाम और मुहर)

नोट 1: नामांकित व्यक्ति द्वारा सर्वश्रेष्ठ पाँच (अधिकतम) पुस्‍ तक / प्रकाशन की प्रति संलग्न की जानी चाहिए; अन्‍ यथा अनुशंसा पर विचार नहीं किया जाएगा। चयन प्रक्रिया पूरी हो जाने के पश्‍ चात, इसे राष्‍ ट्रीय संस्‍ कृत संस्‍ थान,नई दिल्‍ ली को वापस लौटा दिया जाएगा।

नोट 2: # यह कॉलम विशेष रूप से आईटी और विज्ञान पृष्ठभूमि वाले अन्य विद्वानों और महर्षि बद्रायन व्यास सम्मान हेतु अनुशंसित विद्वानों के संदर्भ में भरा जाना आवश्यक है।

चरित्र और पूर्ववृत त प्रमाण-पत्र

मैं ______________________ सुपुत्र/सुपुत्री ______________________ निवासी ______________________, की हैसियत से (यदि अनुशंसा कर्ता विगत में सम्‍ मान प्रमाण-पत्र प्राप्‍ तकर्ता है, पुरस्‍ कार का वर्ष इंगित करें), एतत द्‌वारा पुष्टि करता हूं कि ______________ ______________ सुपुत्र, सुपुत्री श्री ______________ ______________ निवासी ______________________ को विगत _____ वर्षों से जानता हूं और इनका चरित्र उत्‍ तम है। इनके विरूद्ध किसी न्‍ यायालय में कोई मामला लंबित नहीं है और न ही इन्‍ हें अतीत में कभी भी दोषी नहीं ठहराया गया है।

साथ ही मैं एतत द्‌वारा ऐसी कोई भी घटना जो नामिति को पुरस्‍ कार हेतु आयोग्‍ य बनाती हो, के बारे में सरकार को संसूचित करने का भी वचन देता हूं।

(______________________)
अनुशंसा कर्ता प्राधिकारी के हस्‍ ताक्षर
पदनाम:______________________
____
____

स्‍ थान :
तारीख :

बी. श्रीपति